http://www.ukboardonline.com

रोल नं. | | | | | | | | |

मुदित पृष्ठों की संख्या : 4

001

201 (HXB)

2016
हिन्दी

समय : 3 घण्टे] [पूर्णांक : 100

निर्देश : (i) इस प्रश्न पत्र के दो खण्ड 'अ' तथा 'ब' हैं। दोनों खण्डों में पूछे गये सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(ii) उत्तर यथासम्भव क्रमवार लिखिए। प्रश्नों के अंक उनके सम्मुख अंकित हैं।

खण्ड – 'अ'

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 2×5 = 10

कहने को चाहे भारत में स्वशासन हो और भारतीयकरण का नारा हो, किंतु वास्तविकता में सब ओर आस्थाहीनता बढ़ती जा रही है। मंदिरों, मस्जिदों, गुरुद्वारों या चर्च में बढ़ती भीड़ और प्रचार माध्यमों द्वारा मेलों और पर्वों के व्यापक कवरेज से आस्था के संदर्भ में कोई भ्रम मत पालिए, क्योंकि यह सब उसी प्रकार भ्रामक है जैसे 'लगे रहो मुन्ना भाई' की गाँधीगिरी।

वास्तविक जीवन में जिस आचरण की अपेक्षा व्यक्ति या समूह से की जाती है उसकी झलक तक पाना मुश्किल हो गया है। यही कारण है कि गाँधीगिरी की काल्पनिक अवधारणा से महत्व पाने के लिए कुछ लोगों की नौटंकी की वाहवाही प्रचार माध्यमों ने जमकर की, लेकिन अब गाँधी जयन्ती बीतने के बाद न तो कोई गुलाब का फूल भेंट करता दिखाई देता है और न ही कोई छूट वाले काउन्टरों से गाँधी टोपी ही खरीदता नजर आता है। गाँधी को 'गिरी' के रूप में आँकने के सिनेमाई कथानक का कोई स्थाई प्रभाव हो ही नहीं सकता। फिल्म उतरी और प्रभाव चला गया। गाँधी को बाह्य आचरण से समझने के कारण वर्षों से हम दो अक्टूबर और तीस जनवरी को कुछ आडम्बर अवश्य करते चले आ रहे हैं, लेकिन जिन जीवन–मूल्यों के प्रति आस्थावान होने की हम सौगन्ध खाते हैं और उन्हें आचरण में उतारने का संकल्प व्यक्त करते हैं, उसका लेशमात्र प्रभाव भी हमारे आसपास के जीवन में प्रतीत नहीं होता। जिसे हमने स्वतंत्रता के लिए संग्राम की संज्ञा दी थी, उस सम्पूर्ण प्रयास को गाँधी जी ने स्वराज्य के लिए अभियान की संज्ञा प्रदान की थी। "स्वतंत्रता के लिए संघर्ष" और "स्वराज्य के लिए अभियान" का अंतर अतीत का संज्ञान रखने वाले ही समझ सकते हैं। विदेशियों के सत्ता में रहने के बावजूद हम स्वतंत्र थे, क्योंकि हमारी आस्था 'स्व' निरन्तर प्रगाढ़ होती जा रही थी। 'स्व' में आस्था की प्रगाढ़ता के लिए निरन्तर प्रयास होते रहे। इसलिए गाँधी जी का अभियान स्वराज्य का था स्वतंत्रता का नहीं। उनके स्वराज्य की भी एक निश्चित अवधारणा थी। सर्वसाधारण को यह अवधारणा समझ में आ सके, इसलिए उन्होंने कहा था कि हमारा स्वराज्य रामराज्य होगा।

जिस सारे जीवन और उच्च विचार को आधार बनाकर वे भारत को आध्यात्मिक गुरु के रूप में विश्व के समक्ष खड़ा करना चाहते थे, उस भारत की स्वशासन व्यवस्था ने भौतिक भूख की आग को इतना अधिक प्रज्ज्वलित कर दिया है कि अब हमने येन–केन–प्रकारेण सफलता हासिल करने के लिए जीवन के सभी क्षेत्रों में अपने स्थापित मूल्यों को तिलांजलि दे दी है।

(क) 2 अक्टूबर और 30 जनवरी किसलिए विशेष हैं ? (ख) स्वराज्य और स्वतंत्रता में क्या अन्तर है ?

(ग) गाँधी जी कैसा स्वराज्य चाहते थे ? (घ) स्वशासन व्यवस्था ने कौन सी विसंगति दी है ?

(ङ) उक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

2. दिए गए संकेत–बिन्दुओं के आधार पर किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबन्ध लिखिए – 10

(क) 'योगासन और स्वास्थ्य' :

(i) अर्थ (ii) योगासन से स्वास्थ्य लाभ– शारीरिक और मानसिक

(iii) योगासन और खेल (iv) योगासन से अनुशासन और व्यक्तित्व का विकास

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

(ख) 'सूचना प्रौद्योगिकी' :

(i) विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी (ii) कम्प्यूटर – एक वरदान

(iii) सामाजिक आवश्यकता (iv) जन–जीवन पर इसका प्रभाव

3. भरतपुर गाँव में इस वर्ष पेयजल की गम्भीर समस्या बनी है। ग्राम प्रधान की ओर से मुख्यमंत्री को समस्या के निराकरण हेतु एक प्रार्थना पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए। (ग्राम प्रधान का काल्पनिक नाम क ख ग है) 5

अथवा

आपके विद्यालय में इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया। आप रा. उ. मा. वि. भरतपुर के छात्र हैं। समारोह के कार्यक्रमों का विवरण देते हुए अपने भाई को एक पत्र लिखिए। (आपका काल्पनिक नाम क ख ग है)

4. निर्देशानुसार उत्तर लिखिए – 1×4 = 4

(क) सविता निबन्ध लिख रही है। (क्रियापद छाँटकर भेद लिखिए)

(ख) बालिका लिख रही है। (रेखांकित क्रिया को सकर्मक क्रिया में बदलिए)

(ग) वह मेरी बात चुपचाप सुन रहा था। (क्रिया विशेषण छाँटकर उसका भेद लिखिए)

(घ) आपने खाना खाया या नहीं ? (इस वाक्य में समुच्चयबोधक शब्द छाँटकर लिखिए)

5. निम्नलिखित वाक्यों में आश्रित उपवाक्य अलग करके बताइये कि वह किस प्रकार का वाक्य है – 1×2 = 2

(क) महेश ने देखा कि रमेश दौड़ता हुआ कमरे में छिप गया।

(ख) जो लोग बुजुर्गों के साथ मीठा बोलते हैं, उन्हें सब प्यार करते हैं।

वाच्य परिवर्तन कीजिये – 1×2 = 2

(ग) आप नहीं जागते हैं। (भाववाच्य में)

(घ) मैं खाना नहीं खाऊँगा। (कर्मवाच्य में)

6. (क) निम्नलिखित शब्दों में 'कमल' का पर्यायवाची शब्द बताइये – 1

(i) पयोद (ii) वारिद (iii) वारिज (iv) वारिवाह

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से कौन सा शब्द 'गुरु' का अर्थ नहीं है – 1

(i) भारी (ii) शिखर (iii) शिक्षक (iv) बृहस्पति

7. निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर किसी एक काव्यांश के नीचे दिए गए किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 3×2 = 6

(i) उधौ, तुम हौ अति बड़भागी।
अपरस रहत सनेह तगा तैं, नाहिन मन अनुरागी।
पुरइनि पात रहत जल भीतर, ता रस देह न दागी।
ज्यौं जल माहँ तेल की गागरि, बूँद न ताकौं लागी।
प्रीति–नदी मैं पाउँ न बोरयौ, दृष्टि न रूप पराग।
'सूरदास' अबला हम भोरी, गुर चाँटी ज्यों पागी ।।

(क) 'नाहिन मन अनुरागी' कहकर किस पर व्यंग्य किया गया है ?

(ख) उद्धव और गोपियों में वैचारिक अन्तर क्या है ?

(ग) 'प्रीति–नदी मैं पाउँ न बोरयौ' का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ii) धन्य तुम, माँ भी तुम्हारी धन्य !
चिर प्रवासी मैं इतर, मैं अन्य !
इस अतिथि से प्रिय तुम्हारा क्या रहा संपर्क
उँगलियाँ माँ की कराती रही हैं मधुपर्क
देखते तुम इधर कनखी मार
और होतीं जब कि आँखें चार
तब तुम्हारी दंतुरित मुसकान
मुझे लगती बड़ी ही छविमान!

(क) कवि किसकी माँ को धन्य कह रहा है और क्यों ?

(ख) मधुपर्क का लाक्षणिक अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(ग) कनखी मारना; आँखें चार होने, का अर्थ बताइये।

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 3×2 = 6

(क) 'आत्मकथ्य' कविता में स्मृति को 'पाथेय' बनाने से कवि का क्या आशय है ?

(ख) संगतकार किन–किन रूपों में मुख्य गायक–गायिकाओं की मदद करते हैं ?

(ग) 'कन्यादान' कविता में माँ ने बेटी को क्या–क्या सीख दी ?

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

9 (क) 'छाया मत छूना' कविता का संदेश क्या है ? 2

(ख) 'अट नहीं रही है' शीर्षक के आधार पर बताइए कि फागुन में ऐसा क्या होता है जो अन्य ऋतुओं से भिन्न होता है ? 2

10. निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर किसी एक गद्यांश के नीचे दिये गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 2×2 = 4

(i) अत्रि की पत्नी पत्नी–धर्म पर व्याख्यान देते समय घंटों पाण्डित्य प्रकट करे, गार्गी बड़े–बड़े ब्रह्मवादियों को हरा दे, मंडन मिश्र की सहधर्मचारिणी शंकराचार्य के छक्के छुड़ा दे ! गजब ! इससे अधिक भयंकर बात और क्या हो सकेगी! यह सब पापी पढ़ने का अपराध है। न ये पढ़तीं, न वे पूजनीय पुरुषों का मुकाबला करतीं। यह सारा दुराचार स्त्रियों को पढ़ाने का ही कुफल है। समझे। स्त्रियों के लिए पढ़ना कालकूट और पुरुषों के लिए पीयूष का घूँट! ऐसी ही दलीलों और दृष्टांतों के आधार पर कुछ लोग स्त्रियों को अपढ़ रखकर भारतवर्ष का गौरव बढ़ाना चाहते हैं।

(क) प्राचीन भारत में स्त्री–शिक्षा की स्थिति सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'स्त्रियों के लिए पढ़ना कालकूट और पुरुषों के लिए पीयूष का घूँट!' इस कथन से लेखक का क्या अभिप्राय है ? स्पष्ट कीजिए।

(ii) आग के आविष्कार में कदाचित पेट की ज्वाला की प्रेरणा एक कारण रही। सुई–धागे के आविष्कार में शायद शीतोष्ण से बचने तथा शरीर को सजाने की प्रवृत्ति का विशेष हाथ रहा। अब कल्पना कीजिए उस आदमी की जिसका पेट भरा है, जिसका तन ढँका है, लेकिन जब वह खुले आकाश के नीचे सोया हुआ रात के जगमगाते तारों को देखता है, तो उसको केवल इसलिए नींद नहीं आती क्योंकि वह यह जानने के लिए परेशान है कि आखिर यह मोती भरा थाल क्या है ? पेट भरने और तन ढँकने की इच्छा मनुष्य की संस्कृति की जननी नहीं है। पेट भरा और तन ढँका होने पर भी ऐसा मानव जो वास्तव में संस्कृत है, निठल्ला नहीं बैठ सकता। हमारी सभ्यता का एक बड़ा अंश हमें ऐसे संस्कृत आदमियों से ही मिला है, जिनकी चेतना पर स्थूल भौतिक कारणों का प्रभाव प्रधान रहा है, किंतु उसका कुछ हिस्सा हमें मनीषियों से भी मिला है जिन्होंने तथ्य–विशेष को किसी भौतिक प्रेरणा के वशीभूत होकर नहीं, बल्कि उनके अपने अंदर की सहज संस्कृति के कारण प्राप्त किया है। रात के तारों को देखकर न सो सकने वाला मनीषी हमारे आज के ज्ञान का ऐसा ही प्रथम पुरस्कर्ता था।

(क) लेखक के विचार से कौन–कौन सी योग्यताएँ संस्कृति हैं ?

(ख) लेखक ने इस अवतरण में सभ्यता की क्या परिभाषा दी है ? संस्कृति व सभ्यता में क्या सम्बन्ध है ?

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 2×2 = 4

(क) 'मोह और प्रेम में अन्तर होता है।' भगत के जीवन की किस घटना के आधार पर यह कथन सिद्ध होता है ?

(ख) 'नेताजी का चश्मा' कहानी से प्राप्त संदेश को स्पष्ट कीजिए।

(ग) फादर बुल्के ने संन्यासी की परम्परागत छवि से अलग एक नयी छवि प्रस्तुत की है, कैसे ?

12. (क) 'एक कहानी यह भी' की लेखिका मन्नू भण्डारी के जीवन की वह कौन सी घटना थी जिसके बारे में सुनने पर लेखिका को न अपनी आँखों पर विश्वास आया न कानों पर ? 3

(ख) न्यूटन को संस्कृत मानव कहने के पीछे दिये गये तर्क की विवेचना कीजिये। 2

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 2×3 = 6

(क) 'माता का अँचल' पाठ में तीन दशक की ग्राम्य संस्कृति का चित्रण है। आज की ग्रामीण संस्कृति में आपको किस प्रकार के परिवर्तन दिखाई देते हैं ?

(ख) जॉर्ज पंचम की लाट की नाक को पुनः लगाने के लिए मूर्तिकार ने क्या–क्या यत्न किये ?

(ग) साना साना हाथ जोड़ि ..... कहानी के आधार पर बताइए कि प्रकृति ने जल संचय की व्यवस्था किस प्रकार की है ?

(घ) हिरोशिमा की घटना पर लेखक की मनःस्थिति का चित्रण अपने शब्दों में कीजिये।

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

खण्ड – 'ब'

14. अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा त्रीन प्रश्नान् पूर्णवाक्येन उत्तरत – 2×3 = 6
(निम्न गद्यांश को पढ़कर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए)

चन्द्रगुप्तः मगधदेशस्य नृपः आसीत्। तस्य मन्त्री चाणक्यः आसीत्। तपोधनः सः राजतन्त्रस्य ज्ञाता आसीत्। स एकस्मिन् उटजे निवसति स्म। सः वैराग्य–भावनया पूर्णः आसीत्। नृपः एकवारं चाणक्याय कम्बलानि दत्तवान्। तानि कम्बलानि निर्धनेभ्यः दातुं नृपः सूचितवान्। चाणक्यस्य उटजं नगराद् बहिः आसीत्। केचन चौराः कम्बलानि अपहर्तुं चिन्तितवन्तः। ते एकदा चाणक्यस्य उटजं प्रविष्टवन्तः। तस्मिन समये मध्यरात्रिः शैत्यकालः च आसीत्। तदा अपि चाणक्यः कटे सुप्तः आसीत्। तस्य पार्श्वे बहूनि कम्बलानि आसन्। चौराः आश्चर्यं प्रकटितवन्तः यत् सः जनः कम्बलं विना शयनं करोति।

(क) चाणक्यः कः आसीत् ? (ख) नृपः एकवारं चाणक्यं किं सूचितवान् ?
(ग) चाणक्यस्य उटजं कुत्रासीत् ? (घ) चौराः कदा उटजं प्रविष्टवन्तः ?

15. अधोलिखितं पद्यांशं पठित्वा द्वौ प्रश्नौ पूर्णवाक्येन उत्तरत – 2×2 = 4
(निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए)

न वै ताडनाद् तापनाद् वह्निमध्ये न वै विक्रयाद् क्लिश्यमानोऽहमस्मि।
सुवर्णस्य मे मुख्यदुःखं तदेकं यतो मां जनाः गुञ्जया तोलयन्ति ।।

(क) सुवर्णः कस्मात् न क्लिश्यमानः अस्ति ? (ख) सुवर्णस्य मुख्यं दुःखं किम् ?
(ग) जनाः सुवर्णं कया तोलयन्ति ?

16. पठित पाठाधारितान् त्रीन प्रश्नान् पूर्णवाक्येन उत्तरत – 2×3 = 6
(पठित पाठ के आधार पर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए)

(क) मुनयः किं प्राप्तुं हिमालयं गच्छन्ति ? (ख) नीर क्षीर विवेकी कः भवति ?
(ग) कनखलनगरी कस्य राजधानी आसीत् ? (घ) हिमपर्वतस्य पुत्री का ?

17. अधोलिखितेषु शब्देषु यथोचितं शब्दं चित्वा केवलं चत्वारि रिक्त स्थानानि पूरयत – 1×4 = 4
(निम्नलिखित दिये गये शब्दों में से उचित शब्द चुनकर किन्हीं चार वाक्यों में रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये)

शब्द सूची : निर्मलं, सुकृतिनः, वृक्षाः, पापकर्म, दुःखं, दूरीकरोति

(क) अद्य आरभ्य वयं ..... न करिष्यामः। (ख) मानवं पुत्रवत ..... तारयन्ति।
(ग) अङ्गीकृतं ..... परिपालयन्ति। (घ) सत्सङ्गति औषधवत् दुर्गुणान् .....।
(ङ) सुवर्णस्य मे मुख्यं ..... तदेकम्। (च) येषां हृदयं ..... भवति।

18. अधोलिखितेभ्यः यथानिर्देशं केवलं त्रीन प्रश्नान् उत्तरत – 2×3 = 6
(निम्न प्रश्नों में से निर्देशानुसार किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर दीजिए)

(क) सन्धिं कुरुत (सन्धि कीजिए) – हरे + अव , इति + आदि
(ख) सन्धि विच्छेदं कुरुत (सन्धि विच्छेद कीजिए) – नायकः , धन्योऽयं
(ग) समास विग्रहं कृत्वा समासस्य नामोल्लेखं कुरुत (समास विग्रह कर समास का नाम लिखिए) –
पीताम्बरः , रामसेवकः
(घ) अधोलिखितेभ्यः पदेभ्य उपसर्गान् पृथककृत्वा लिखत (निम्नलिखित पदों में उपसर्ग अलग कर लिखिए) –
प्रताप , उत्कंठा
(ङ) कोष्ठके प्रदत्तेषु शब्देषु शुद्धं शब्दं चित्वा रिक्त स्थानानि पूरयत –
(कोष्ठक में दिये गये शब्दों में से शुद्ध शब्द चुनकर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए)
(i) गंगा ..... निस्सरति। (हिमालयेन / हिमालयात्)
(ii) पिता ..... सह आगतः। (पुत्रस्य / पुत्रेण)

19. निम्नांकित शब्दानाम् आधारेण चतुर्णाम् वाक्यानां निर्माणं कुरुत – 1×4 = 4
(निम्न शब्दों में से किन्हीं चार का वाक्यों में प्रयोग कीजिए)

(क) मातुलः (ख) मम (ग) उपवनम् (घ) धावन्ति (ङ) अपठत् (च) युष्माकम्

अथवा

अधोलिखित वाक्येभ्यः द्वयोः संस्कृतानुवादं कुरुत – 2×2 = 4
(निम्न वाक्यों में से किन्हीं दो का संस्कृत में अनुवाद कीजिए)

(क) हम सब घर जायेंगे। (ख) मैंने पुस्तक पढ़ी। (ग) तुम भोजन करो।

****

http://www.ukboardonline.com